पत्रांक–जे0एन0सी0यू0 / सा0प्र0 / 6061 / 2024 दिनांकः 07 फरवरी, 2024

सेवा में,

01. निदेशक शैक्षणिक, विश्वविद्यालय परिसर।
02. प्राचार्य / प्राचार्या / प्रबन्धक
सम्बद्ध समस्त महाविद्यालय,
जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय,
बलिया।

विषयः–श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होने के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश के समस्त संस्थानों में भारत अन्तरिक्ष सप्ताह द्वारा 09 से 10 फरवरी तक श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव आयोजित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय / महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषयक **उ0प्र0 शासन, उच्च शिक्षा अनुभाग–3 के पत्र संख्याः 294 / सत्तर–3–2024, दिनांकः 07 फरवरी, 2024 (संलग्न)** का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से पत्र के साथ संलग्न सम्बद्धता नियामक प्राधिकारी, इण्डिया स्पेस वीक, नई दिल्ली के पत्र संख्या आई0एस0डब्लू / सा0–उ0प्र0 / 332 / 2024, दिनांकः 18 जनवरी, 2024 (छायाप्रति संलग्न) द्वारा भारत अंतरिक्ष सप्ताह द्वारा 09 से 10 फरवरी, 2024 तक श्री राम अन्तरिक्ष वेधशाला उत्सव में विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

तत्क्रम में माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों को निर्देशित किया जाता है कि **संलग्न पत्र में वर्णित तथ्यों का अनुपालन करते हुए सम्बन्धित कार्यक्रमों को आयोजित करने का कष्ट करें एवं उसकी सूचना तथा प्रतिभागियों की सप्रमाण फोटोग्राफ विश्वविद्यालय को भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे शासन को उपरोक्तानुक्रम में सूचना प्रेषित की जा सके।**

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीय,

(एस०एल० पाल)
कुलसचिव

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः

1. माननीय कुलपति जी।
2. जनसम्पर्क अधिकारी, जननायक चन्द्रशेखर वि0वि0, बलिया।
3. प्रभारी वेबसाईट को विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड करने तथा कालेज लागिन में सम्प्रेषण हेतु।
4. सम्बन्धित पत्रावली।

कुलसचिव

संख्या–294/सत्तर–3–2024

प्रेषक,

डॉ0 अखिलेश कुमार मिश्रा,
विशेष सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

1. **निदेशक,**
उच्च शिक्षा, उ0प्र0,
प्रयागराज।

2. **कुलसचिव,**
समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

उच्च शिक्षा अनुभाग–3 लखनऊ : दिनांक 07 फरवरी, 2024

विषयः श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होने के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश के समस्त संस्थानों में भारत अंतरिक्ष सप्ताह द्वारा 09 से 10 फरवरी तक श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव आयोजित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक सम्बद्धता नियामक प्राधिकारी, इंडिया स्पेस वीक, नई दिल्ली के पत्र संख्या–आई0 एस0 डब्लू/सा0–उ0 प्र0/332/2024, दिनांक 18.01.2024 की छायाप्रति संलग्नक सहित प्रषित करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत अंतरिक्ष सप्ताह द्वारा 09 से 10 फरवरी तक श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव में आयोजित होने वाले कार्यक्रम हेतु उक्त संदर्भित पत्र में की गयी अपेक्षानुसार आवश्यक कार्यवाही करने तथा समयान्तर्गत कृत कार्यवाही से शासन को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीय,
7/2/24
(डॉ0 अखिलेश कुमार मिश्रा)
विशेष सचिव।

N Khd G O.

संख्या – 294 / उत्तर-3 2024
No. 2618.../MS/CH/2024

भारत अंतरिक्ष सप्ताह
बी ए/14 बी जनकपुरी,
नई दिल्ली—110058, भारत
दूरभाष: 011—35809475
ई–मेलः info@indiaspaceweek.org
वेबसाइटः www.indiaspaceweek.org

India Space Week
BA / 14 B Janakpuri,
New Delhi - 110058, India
Telephone: 011-35809475
E-mail: info@indiaspaceweek.org
Website: www.indiaspaceweek.org

पत्रांकः आई० एस० डब्लू० / सा०–उ० प्र० / 332 / 2024

दिनांकः 18 जनवरी—2024

प्रमुख सचिव कार्यालय में प्राप्त दिनांक 03/2/2024

प्रेषक,
संबद्धता नियामक प्राधिकारी,
इंडिया स्पेस वीक
नई दिल्ली।

संख्या 240/PS/HED/2023

सेवा में,
श्री दुर्गा शंकर मिश्रा जी,
मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार
101, 'बी' ब्लॉक, लोक भवन, लखनऊ – 226001

23/01/2024
(रवीन्द्र कुमार)
प्रमुख सचिव एवं स्टॉफ आफिसर,
मुख्य सचिव
शासन

24.01.2024

विषय : श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होने के उपलक्ष में प्रदेश के समस्त संस्थानों में भारत अंतरिक्ष सप्ताह द्वारा 09 से 10 फरवरी तक श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव आयोजित किये जाने के संबंध में।

No-4753/VS(M)/HeLey

DS(SPM)/Se-3

निजी सचिव,
प्रमुख सचिव,
उच्च शिक्षा विभाग
उ०प्र० शासन

महोदय,

उपर्युक्त विषय अवगत कराना है कि श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में 09 से 10 फरवरी को श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला का उत्सव आयोजित किया जाना है।

उक्त सम्बन्ध में आपको अवगत कराना है कि प्रदेश के विभिन्न स्कूलों, विद्यालयों, कॉलेजो, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के प्रति निम्न कार्यक्रम कराए जाने की योजना है।

(डॉ० अखिलेश कुमार मिश्रा)
विशेष सचिव,
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

वेशभूषा कार्यक्रम – प्रदेश के समस्त संस्थानों में उक्तानुसार वेशभूषा कार्यक्रम का आयोजन उक्त तिथियों में स्कूलों, विद्यालयों, कॉलेजो, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में किया जाएगा श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला के निर्धारित किए गए 5 विषयो में से किसी एक विषय पर छात्र/छात्राओं को लगभग 2 से 5 मिनट की वेशभूषा कार्यक्रम का प्रदर्शन करेंगे। प्रत्येक स्कूलों, विद्यालयों, कॉलेजो, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में कार्यक्रम 09 फरवरी 2024 सायंकाल तक पूर्ण कराना है। छात्र/छात्राओ को अपना चलचित्र (वीडियो) ऑनलाइन के माध्यम से दिनांक 20 फरवरी 2024 का वेबसाइट पर अपलोड करना है। दिनांक 28 मार्च 2024 को मुख्यालय पर गठित समिति द्वारा छात्र/छात्राओं का चलचित्र (वीडियो) का परिशीलन किया जाएगा। उसके उपरांत समिति सभी वेशभूषा कार्यक्रम में से प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं का चयन करेंगी। प्रथम पुरुस्कार धनराशि 10000/– रुपए, द्वितीय पुरस्कार धनराशि 5000/– रुपए एवं तृतीय पुरस्कार धनराशि 2500/– रुपए देय होगी। दिनांक 10 अप्रैल 2024 को छात्र/छात्राओं को उक्त धनराशि नगद प्रेषित की जाएगी। यह धनराशि भारत अंतरिक्ष सप्ताह कोष से व्यय की जाएगी।

29.01.2024

461/VS/2024

वेशभूषा कार्यक्रम के चार विषय
(यह कार्यक्रम छात्र/छात्राओ द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा)

1. श्री राम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम
   किरदार – छात्र/छात्राओं द्वारा श्री राम भक्त के रूप में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा का पूजन करते हुए।
2. वृक्षरोपण
   माँ सीता द्वारा वाटिका का वृक्षरोपण करते हुए।
   किरदार –– माँ सीता
3. संजीवनी पर्वत
   हनुमान जी द्वारा संजीवनी पर्वत लाते हुए।
   किरदार –– हनुमान जी
4. श्रेष्ठ गुणों का सम्मान
   श्री राम अपने शत्रु के श्रेष्ठ गुणों का सम्मान करते थे।
   किरदार –– श्री राम, लक्षमण, हनुमान जी, रावण

30.01.24

6/2/2024

संबद्धता नियामक प्राधिकारी आई० एस० डब्लू० कार्यालय
डायरी संख्या / Diary No. 332
दिनांक / Date 18-01-2024
हस्ताक्षर / Signature
Office of Affiliation Regulatory Authority, ISW

भारत अंतरिक्ष सप्ताह

बी ए/14 बी जनकपुरी,
नई दिल्ली–110058, भारत
दूरभाष: 011–35809475
ई–मेल: info@indiaspaceweek.org
वेबसाइट: www.indiaspaceweek.org

India Space Week

BA / 14 B Janakpuri,
New Delhi -110058, India
Telephone: 011-35809475
E-mail: info@indiaspaceweek.org
Website: www.indiaspaceweek.org

ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता – प्रदेश के समस्त संस्थानों में उक्तानुसार ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन उक्त तिथियों में स्कूलों, विद्यालयों, कॉलेजो, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में किया जाएगा निर्धारित दिनांक 10 फरवरी 2024 को उक्त विषयो में से किसी एक विषय पर छात्र/छात्राओं को ड्राइंग और पेंटिंग किए जाने हेतु 100 मिनट का समय दिया जाएगा जिसके लिए कलर, ब्रश , पेपर आदि सामग्री लानी होगीद्य प्रत्येक स्कूलों, विद्यालयों, कॉलेजो, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के छात्र/छात्राओं को अपनी ड्राइंग की गयी पेंटिंग ऑनलाइन माध्यम से दिनांक 20 फरवरी 2024 तक वेबसाइट पर अपलोड करनी है। दिनांक 28 मार्च 2024 को छात्र/छात्राओं की ड्राइंग की गयी पेंटिंग का मुख्यालय पर गठित समिति द्वारा परिशीलन किया जाएगा। उसके उपरांत समिति सभी ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता में से प्रथम , द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं का चयन करेगी। प्रथम पुरुस्कार धनराशि 10000/– रुपए , द्वितीय पुरस्कार धनराशि 5000/– रुपए एवं तृतीय पुरस्कार धनराशि 2500/– रुपए देय होगी। दिनांक 10 अप्रैल 2024 छात्र /छात्राओं को उक्त धनराशि नगद प्रेषित की जाएगी। यह धनराशि भारत अंतरिक्ष सप्ताह कोष से व्यय की जाएगी।

ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता के पांच विषय

1. श्री राम प्राण प्रतिष्ठा पूजन करते हुए।
2. माँ सीता द्वारा पौधे सींचते हुए।
3. श्री राम धनुष तोड़ते हुए।
4. श्री राम लक्ष्मण और माँ सीता द्वारा वन का भ्रमण करते हुए।
5. श्री हनुमान जी और अन्य वानर सेना द्वारा रामसेतु पुल बनाते हुए।

सम्बद्धता नियामक प्राधिकारी आई० एस० डब्ल्यू० कार्यालय
डायरी संख्या / Diary No. 232
दिनांक / Date 18-01-2024
हस्ताक्षर / Signature
Office of Affiliation Regulatory Authority, ISW

नोट:
1. वेशभूषा एवं ड्राइंग और पेंटिंग कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रत्येक छात्र/छात्राओं को एक पौधे का वृक्षरोपण करना है और वृक्षरोपण करते समय छात्र/छात्राओं का फोटो लेना होगा और दोनों प्रतियोगिता के चित्र व चलचित्र के साथ यह फोटो भी ऑनलाइन माध्यम से अपलोड करना होगा।
2. वृक्षरोपण के जरिये हम इस प्रकृति में एक नयी प्राणवायु का संचालन करने में अपना योगदान दे रहे है।
3. विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा।
4. प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र दिया जाएगा।
5. श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला द्वारा प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा एवं ड्राइंग और पेंटिंग कार्यक्रम के दिशा निर्देश इंडिया स्पेस वीक की वेबसाइट www.indiaspaceweek.org पर उपलब्ध है।

भवदीय,

सम्बद्धता नियामक प्राधिकारी
इंडिया स्पेस वीक
नई दिल्ली

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ हेतु।
1– राष्ट्रपति सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
2– प्रधानमंत्री कार्यालय साउथ ब्लॉक, रायसीना हिल नई दिल्ली।
3– प्रमुख सचिव राज्यपाल कार्यालय उत्तर प्रदेश।
4– मुख्यमंत्री कार्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

सम्बद्धता नियामक प्राधिकारी
इंडिया स्पेस वीक
नई दिल्ली

भारत अंतरिक्ष सप्ताह
बी ए/14 बी जनकपुरी,
नई दिल्ली–110058, भारत
दूरभाष: 011–35809475
ई–मेल: info@indiaspaceweek.org
वेबसाइट: www.indiaspaceweek.org

India Space Week
BA / 14 B Janakpuri,
New Delhi - 110058, India
Telephone: 011-35809475
E-mail: info@indiaspaceweek.org
Website: www.indiaspaceweek.org

श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला एप्लीकेशन (app)

1. श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला एप्लीकेशन के माध्यम से पौधे में कितनी वृद्धि हुई और वास्तविक समय में सटीक और कुशल जानकारी प्राप्त कर सकते है।

2. वृक्षरोपण करते समय एप्लीकेशन के माध्यम से हम अपने पौधों की लोकेशन सेट (pin) करेंगे और उनको ट्रैक कर सकते है।

3. इस एप्लीकेशन के माध्यम से पौधे की देख–रेख कर सकते है और पौधे की कितनी वृद्धि हो रही है व कीड़े–किटको से उसे कोई नुकसान तो नहीं हो रहा है आदि की निगरानी कर सकते है।

श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला एप्लीकेशन (app) – प्रेरणा स्त्रोत

श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह हो जाने के बाद भारत एक नये युग में प्रवेश करेगा। श्रीराम जी के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना होगा, स्वयं को श्रीराममय एवं प्रकृतिमय बनाना होगा। रामराज्य पर्यावरण की दृष्टि से अत्यन्त सम्पन्न एवं स्वर्णिम काल था। रामराज्य वन क्षेत्रों से भरा था। सभी वृक्ष हरे–भरे पुष्प तथा फल सम्पन्न थे। वही परंपरा ही हम सबको यह बताती है कि प्रकृति रामराज्य का आधार है।
भगवान श्रीराम वनवास काल में जिस पर्ण कुटीर में निवास करते थे वहां पांच वृक्ष पीपल, काकर, जामुन, आम व वट वृक्ष थे जिसके नीचे बैठकर श्रीराम और माँ सीता भक्ति आराधना करते थे। लेकिन हजारों साल पहले भगवान श्रीराम ने प्रकृति के साथ जुड़कर और प्रकृति के बीच रहकर प्रकृति को बचाने के लिए हमें प्रेरित किया। श्रीराम जी के चौदह वर्ष के वनवास से हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। स्वयं भगवान श्रीराम व माता सीता 14 वर्षों तक वन में रहकर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया। अनेक स्थानों पर वाल्मीकि जी रचित रामायण से लेकर तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में प्रकृति चित्रण, पर्यावरण संचेतना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता को रेखांकित और विस्तृत उल्लेख किया गया है।

संबद्धता नियामक प्राधिकारी आई० एस० डब्ल्यू० कार्यालय
डायरी संख्या / Diary No. 232
दिनांक / Date 18-01-2024
हस्ताक्षर / Signature
Office of Affiliation Regulatory Authority, ISW